भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या - 47
उत्तर दिनांक 03.12.2025 को दिया गया

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र की जल शुद्धिकरण इकाइयां संस्थापित किया जाना

*47. श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देव

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) क्या भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) की कम लागत वाली जल शुद्धिकरण प्रौद्योगिकियां, जैसे 'नैनो-फिल्ट्रेशन यूनिट' और 'घरेलू वाटर प्युरिफायर' – ओडिशा के फ्लोराइड-प्रभावित अथवा लौह-प्रभावित क्षेत्रों में संस्थापित की गई हैं;

(ख) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों के दौरान जिला-वार ऐसी कितनी इकाइयां संस्थापित की गई हैं;

(ग) क्या सरकार का विचार ओडिशा के ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में इन प्रौद्योगिकियों को संस्थापित करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) की जल शुद्धिकरण प्रणाली को बड़े पैमाने पर अपनाने के लिए ओडिशा सरकार के साथ किए जाने वाले सहयोग का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह)

(क) से (घ): सदन के पटल पर विवरण प्रस्तुत है।

*****

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग

"भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र की जल शुद्धिकरण इकाइयां संस्थापित किया जाना" के संबंध में श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देव द्वारा पूछे गए लोक सभा के तारांकित प्रश्न संख्या *47 के भाग (क) से (घ), जिसका उत्तर दिनांक 03.12.2025 को दिया जाना है, के उत्तर में प्रस्तुत विवरण

(क) व (ख) परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) की संघटक यूनिट, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) ने भारत के ग्रामीण और सुदूर इलाकों में जल शोधन प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल पर एक पायलट प्रौद्योगिकी-प्रदर्शन परियोजना को क्रियान्वित किया है। इस पायलट परियोजना में, बीएआरसी ने अपने प्रौद्योगिकी लाइसेंसधारकों के माध्यम से, पिछले तीन वर्षों में ओडिशा के दो ज़िलों में परानिस्यंदन (यूएफ) और प्रतिलोम परासरण (आरओ) यूनिटों सहित निम्न-लागत झिल्ली-आधारित घरेलू जल शोधन यूनिटें तैनात की हैं। इनका विवरण निम्नानुसार हैं:

1. ओडिशा के कालाहांडी ज़िले में 500 प्रतिलोम परासरण (आरओ)-आधारित घरेलू जल शोधन यूनिटें लगाई गईं।
2. ओडिशा के बौध ज़िले में 238 परानिस्यंदन (यूएफ)-आधारित घरेलू जल शोधन यूनिटें लगाई गईं।

उपरोक्त के अतिरिक्त, निम्नानुसार सामूहिक जल शोधन यूनिटें भी पिछले तीन वर्षों के दौरान ओडिशा में तैनात की गईं :

ए. खोरधा ज़िले में 4 आरओ-आधारित जल शोधन यूनिटें।
बी. मयूरभंज ज़िले में 3 आरओ-आधारित जल शोधन यूनिटें।
सी. बौध ज़िले में 1 आरओ-आधारित जल शोधन यूनिट तैनात की गई।

(ग) बीएआरसी, डीएई के अधिदेश के अनुरूप प्रौद्योगिकी विकास के लिए अनुसंधान और विकास कार्य करता है। इस प्रक्रिया में, समाजोपयोगी अनुप्रयोगों के लिए कुछ उपोत्पाद (स्पिन-ऑफ) प्रौद्योगिकियां भी विकसित की गई हैं। ये प्रौद्योगिकियां निजी उद्यमियों को वाणिज्यिकरण के लिए गैर-अनन्य आधार पर नाममात्र कीमत पर हस्तांतरण के लिए उपलब्ध हैं।

हाल ही में, बीएआरसी-विकसित जल शोधन प्रौद्योगिकियों (परानिस्यंदन और प्रतिलोम परासरण झिल्ली प्रौद्योगिकियां सहित) को पूरे भारत में 40 से ज़्यादा लाइसेंसधारकों को हस्तांतरित किया गया है ताकि देश में ग्रामीण और दूरदराज़ इलाकों सहित प्रौद्योगिकी को बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जा सके।

(घ) शून्य

*****